यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

13

शेरू की मूँछें

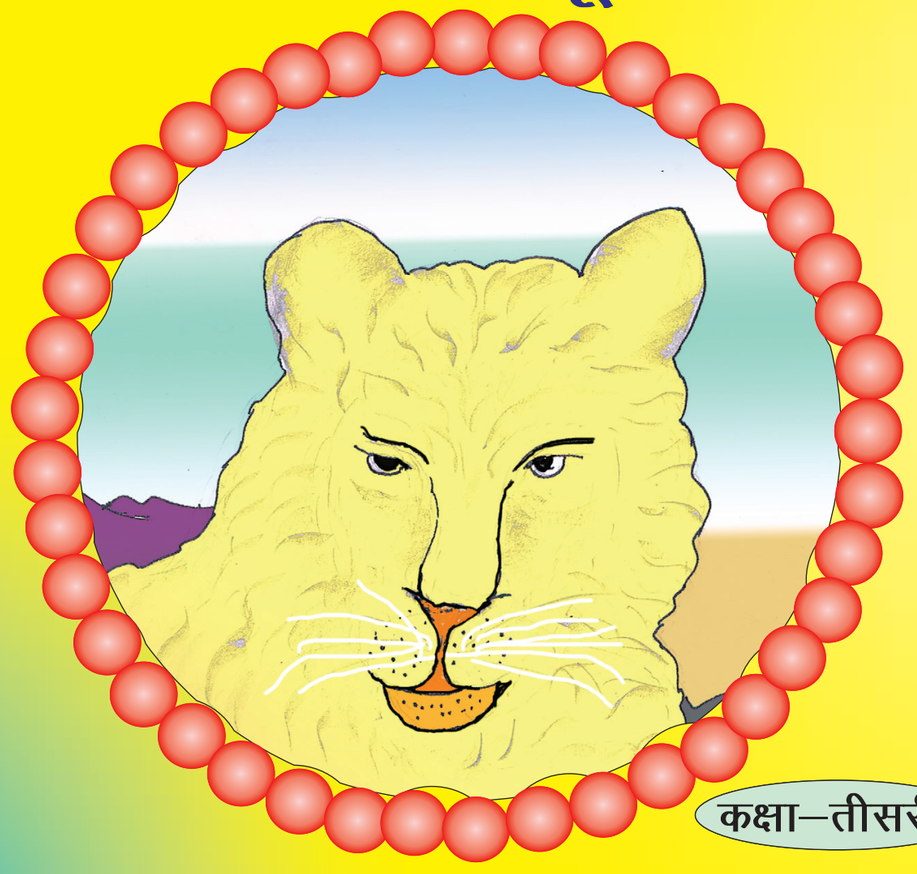

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

शेरू की मूँछें बहुत लंबी थी, लेकिन सफेद हो चुकी थी। इसी कारण वह बहुत परेशान था।

शेरू को अब अपनी मूँछों की महत्ता पता चली। अब उसने अपनी मूँछें कटवाईं नहीं, बल्कि अब उसको ब्लेक हेयर डाई से काला करवाया।

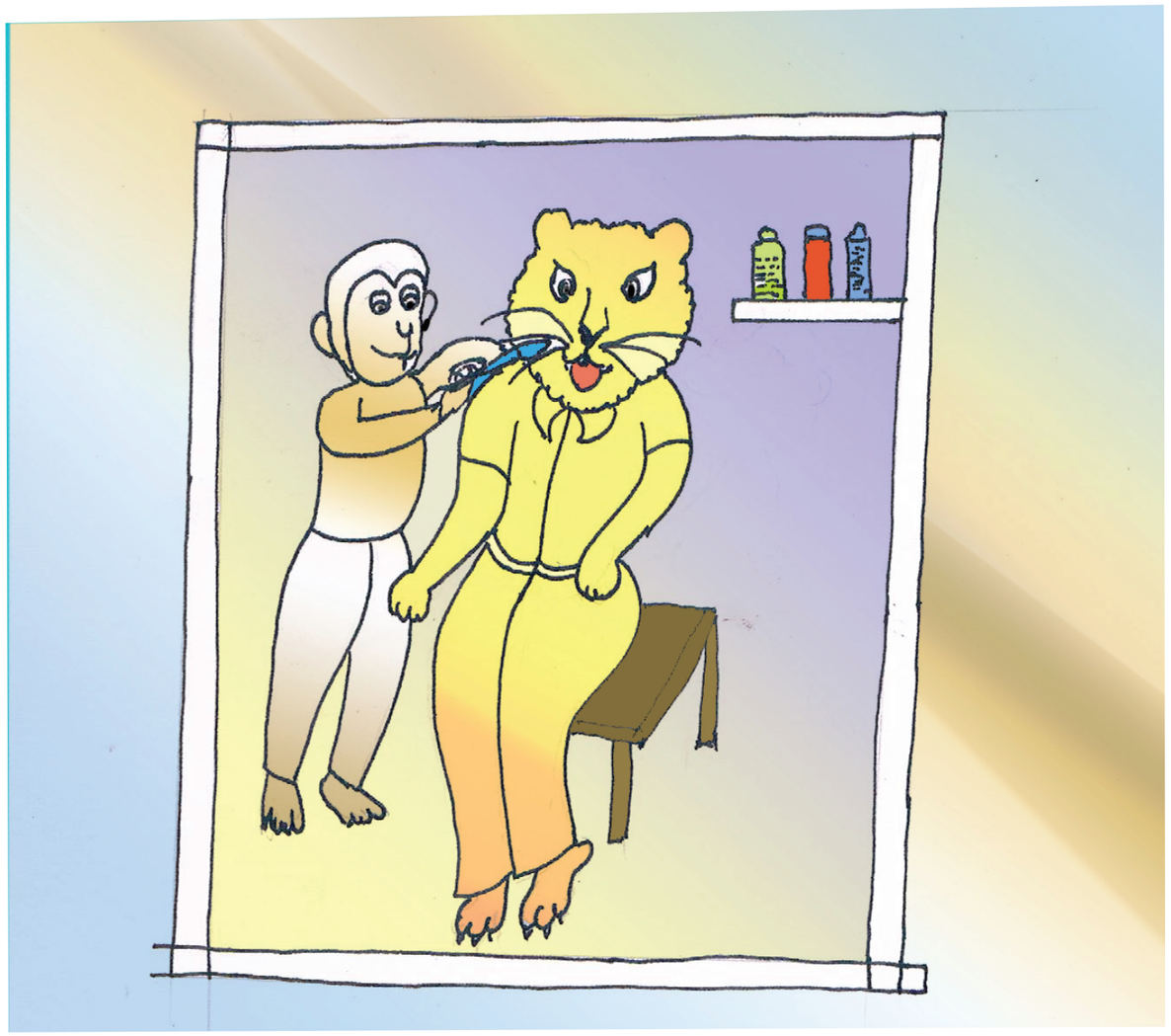

वह हड़बड़ाकर उठ बैठा। उसने देखा कि एक बिच्छू उसके मुँह के पास आ रहा था। उसकी सफेद मूँछें बिच्छू से टकराई।

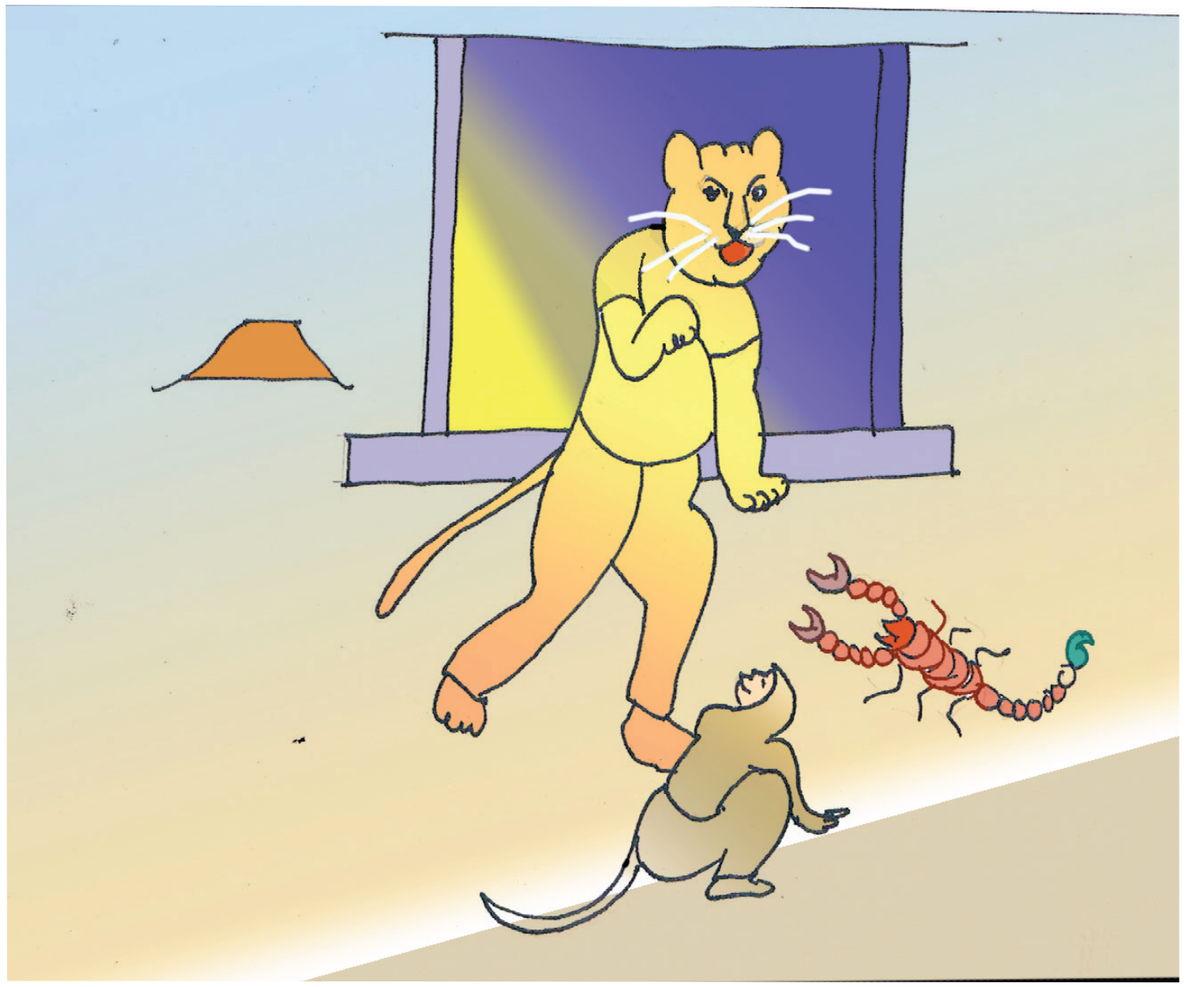

उसने अपनी मूँछों को कटवाने की सोची। वह बंदरू नाई के पास गया।

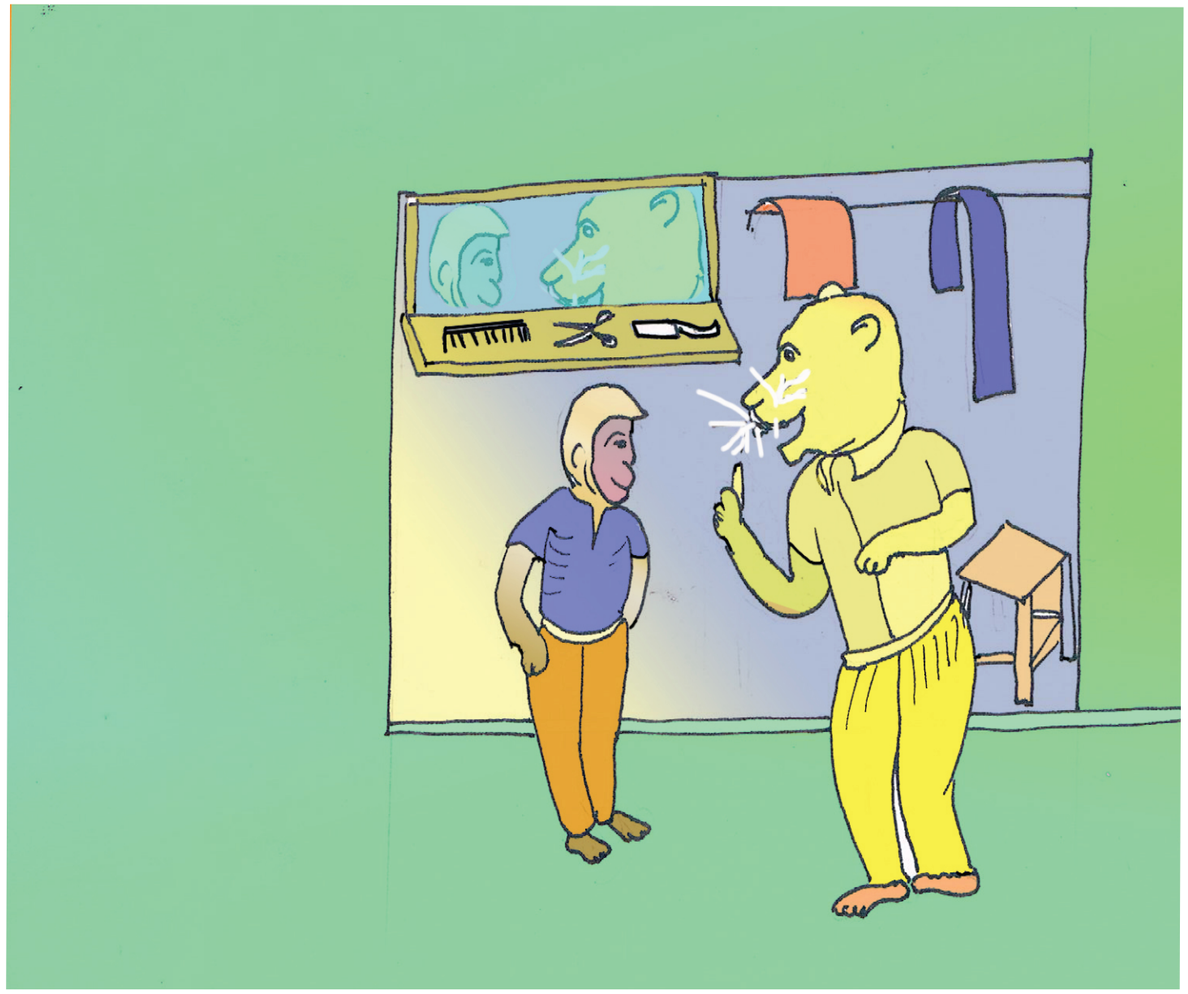

बंदरू नाई ने कहा– ''महाराज! मूँछें तो आपकी शान है। ये आपको कई मुसीबतों से बचाती भी है।'' खैर, मुझे उस्तरा तेज करने दीजिए फिर मैं आपकी मूँछें साफ कर दूँगा।

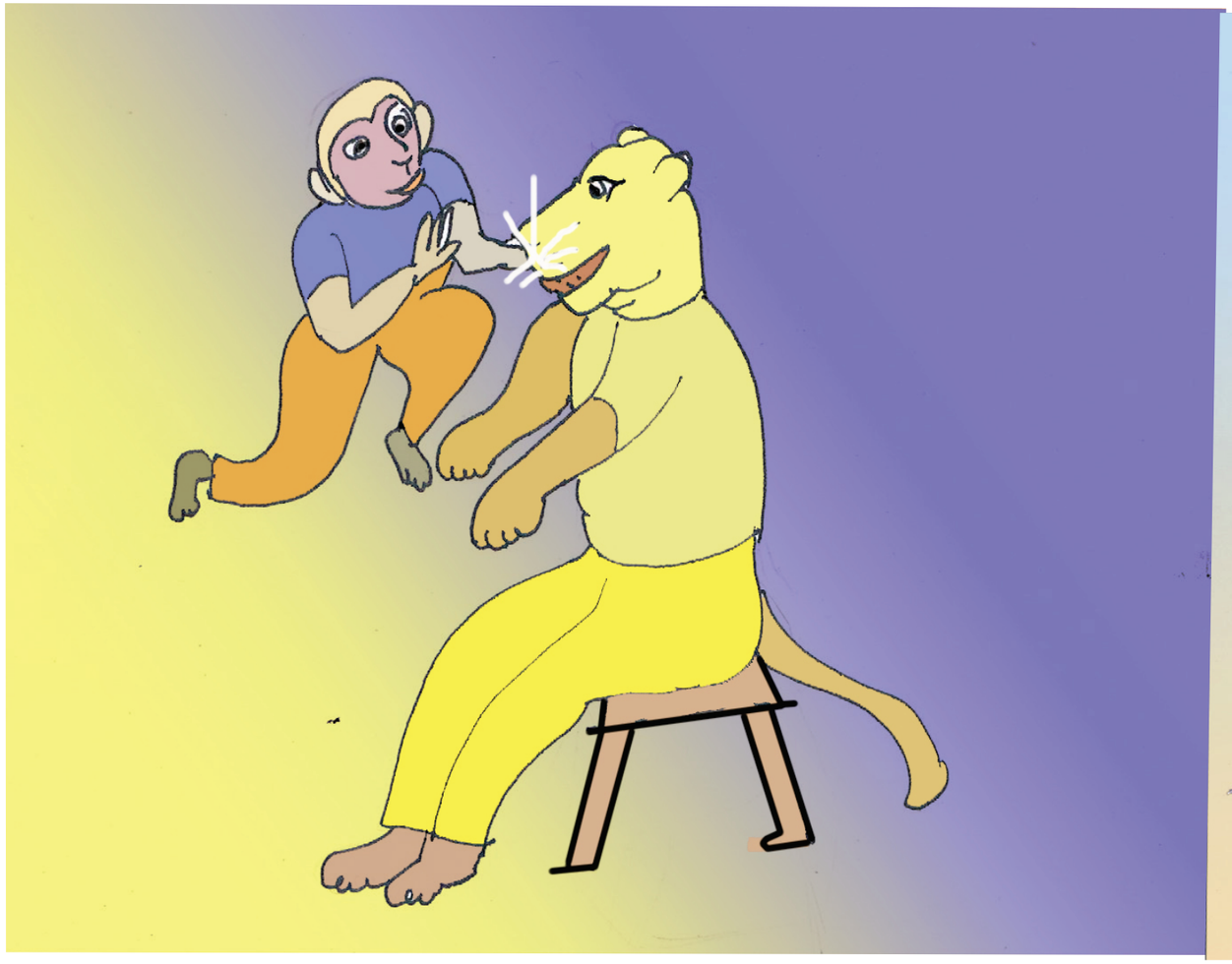

देर लगेगी सोचकर शेरू जमीन पर सिर टिकाकर सो गया। अचानक उसकी मूँछों पर हलचल हुई।